द्वारा उत्पादों के लागत आंकड़ों का जो संबद्ध मंत्रालय हैं उनसे रिपोर्ट तैयार कर उचित कार्यवाही हेतु संबंधित मंत्रालयों को भजा जाता है। यदि ऐसा है तो मंत्री महोदय के पास उपलब्ध जानकारी के आधार पर दो चीजें मैं जानना चाहता हूं कि पिछले तीन वर्ष में उनके मंत्रालय ने कितनी ऐसी रिपोर्ट्स संबंधित मंत्रालयों को भेजी है और (ख) कितने मंत्रालयों ने उन रिपोर्ट्स पर एक्शन लेकर आपके मंत्रालय को सूचित किया है अगर यह सारा काम संबंधित मंत्रालयों द्वारा आपके मंत्रालय की रिपोर्ट पर ही होता है तो एक्शन न लेने की जिम्मेदारी किस मंत्रालय की है ?

SHRI RANGARAJAN KUMARA-MANGALAM: Sir, With regard to the official details of how many ocm panies are covered in case of each of those industries, I would give the details later and place them to the Table of the House.

डा. रत्नाकर पाण्डेय : हिंदी में जवाब दीजिए, आप तो हिंदी भी बोलते हैं। .... **(व्यवधान)**

श्री रंगराजन कुमारमंगलम : ऐसी तकलीफ है तो मैं हिंदी में बोल लूंगा।

डा. रत्नाकर पाण्डेय : उत्तरभारत में भी लोकप्रिय होना है कि नहीं ?

श्री सभापति : लोकप्रियता का सवाल नहीं है, यहां काम चलाने का सवाल है।

SHRI RANGARAJAN KUMARA-MANGALAM: Sir, with regard to the language I think it is not the most important thing. Important thing is communication of the idea.

I give the assurance that I would lay the details with regard to the companies covered in case of those indutsries on the Table of the House. I would also send them to the hon. Member. With regard to the reports and sending the reports across to the concerned nodal Ministries, I will have to get those details, but I am sure, the hon. Member will interested to know that the number of companies who have not complied with is not very large. Upto 1987 it is only 32. In 1988 it was 23 and in 1989 it has gone up to 87 because we have covered more industries. Therefore, if one looks to the percentage of the companies most of the companies are following cost audit because it helps them to be more efficient in production.

Silver seized from Kutch District

*203. SHRI ANANTRAY DEVSH-ANKER DAVE: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) what is the quantity and value of silver seized from Kutch district of Guarajt State so far during this year;

(b) what is the number of persons apprehended for smuggling the metal;

(c) what is the number of Pakistanis amongst them; and

(d) what action has so far been taken against the smugglers?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI RAMESHWAR THAKUR): (a) During January to August, 1991, 9,235.950 kgs. of silver valued at Rs. 6.37 crores have been seized from the Kutch district of Gujarat in a total of three cases.

(b) and (c) Six Indians and one Pakistani were involved in the above seizures.

(d) The Pakistani national and the 6 Indians have been arrested under the provisions of the Customs Act, 1962 and are liable for penalty in departmental adjudication, prosecution in Court of law and detention under the provisions of the Conservation of Foreign Exchange and Prevention of Smuggling Activities Act, 1974, if considered necessary.

श्री अनन्तराय देवशंकर दवे : चैयरमैन सर मैं मंत्री जी से यह जानना चाहूंगा कि उन्होंने जैसा बताया कि 6.37 crores of rupees have been seized from the Kutch district of Gujarat in a total of three cases.

तो मैं जानना चाहूंगा कि इन तीनों केस में जो 6.37 करोड़ की सिल्वर पकड़ी गयी है, वह कैक्शनवाइज कितनी-कितनी पकड़ी गयी और हरेक के साथ कितने आदमी थे ?

श्री रामेश्वर ठाकुर : सभापति जी, पहली बार 9 अप्रैल, 91 को बी.एस.एफ. द्वारा 2 लाख 59 हजार 8 सौ किलोग्राम पकड़ी गयी जिसकी कीमत 17 लाख, 14 हजार, 680 रुपए थी। इसमें तीन व्यक्ति थे, दो हिन्दुस्तानी और एक पाकिस्तानी। इसके बाद 19 मई, 91 ई० को पुलिस के द्वारा 4 व्यक्ति पकड़े गए और 8 लाख 867 किलोग्राम सिल्वर जब्त की गयी जिसकी कीमत 9 करोड़, 11 लाख 83 हजार 335 रुपए थी। 21 मई, 1991 को कस्टम अधिकारियों के द्वारा 109 किलोग्राम पकड़ी गई जिसकी कीमत 7,52,100 रुपये थी।

श्री अनन्तराय देवशंकर दवे : मेरा सीधा सवाल था कि टोटल हर कनसाइनमेंट के साथ कितने लोग पकड़े गये ?

श्री सभापति : पहली बार कितने पकड़े गये, दूसरी बार कितने पकड़े गये और तीसरी बार कितने पकड़े गये ?

श्री रामेश्वर ठाकुर : मैंने पहले ही बता दिया है कि पहली बार तीन व्यक्ति पकड़े गये जिसमें 2 भारतीय और एक पाकिस्तानी था। दूसरी बार 4 व्यक्ति पकड़े गये, उसमें चारों हिन्दुस्तानी थे। तीसरी बार कोई व्यक्ति नहीं पकड़ा गया। **(व्यवधान)** केवल माल पकड़ा गया **(व्यवधान)**

श्री अनन्तराय देवशंकर दवे : सभापति महोदय, गुजरात सरकार वहां पर समुद्र किनारे की देखभाल नहीं कर रही है। सारे देश में वर्षा हुई है लेकिन कच्छ ही एक ऐसा डिस्ट्रिक्ट है जहां स्केअरसिटी डिक्लेअर की गई है। वेस्टर्न कच्छ से लोग जा रहे हैं। वह पूरा इलाका खाली पड़ा है। वहां से घुसपैठ भी हो रही है, ड्रग्ज भी आ रही है, वेपंस भी आ रहे हैं। उन्होंने सवाल (बी) के जवाब में बताया है कि 6 इण्डियन और एक पाकिस्तानी पकड़े गये तो मैं यह जानना चाहता हूं कि उसमें गुजरात सरकार का एक आदमी जो फिशरीज बोर्ड का डायरेक्टर है वह भी पकड़ा गया है और उन पर केस भी चल रहा है। मैं यह जानना चाहता हूं कि क्या इसके साथ कोई वेपंस भी आए थे, क्या यह आपकी जानकारी में है? अगर आपकी जानकारी में है तो आपने इस संबंध में क्या कदम उठाए हैं?

श्री रामेश्वर ठाकुर : 20 मई को जो एक इसमाइल मेनन पकड़ा गया था पुलिस के द्वारा जिसका विवरण मैंने पहले आपको दिया है उस पर जांच पड़ताल की गई और पूछने के बाद 109 किलोग्राम सिल्वर और पकड़ी गई जिसका विवरण मैंने तीसरी तारीख में किया है। इस पर कार्यवाही की गई। जो 7 व्यक्ति हैं उनमें जो 7 व्यक्ति हैं जो पाकिस्तानी है, दो भारतीय हैं वह भी जेल में हैं और तीन व्यक्तियों ने बम्बई हाई कोर्ट से जमानत ले ली है जिनको जमानत के अन्तर्गत बेल पर छोड़ा गया है।

श्री अनन्तराय देवशंकर दवे : गुजरात में बम्बई हाई कोर्ट कैसे आएगा ? गुजरात हाई कोर्ट आएगा।

श्री रामेश्वर ठाकुर : जो चांदी कच्छ में पकड़ी जाती है, यह सामान्य तौर पर बम्बई में भेजी जाती है और दूसरे लोग जो बम्बई में रहते हैं इनका वहां ज्यूरिस्डिक्शन आ जाता है, कुछ लोग एंटीसपेटरी बेल ले लेते हैं, किसी भी हाई कोर्ट से ले सकते हैं। इसमें माननीय सदस्य को आश्चर्य चकित नहीं होना चाहिये।

श्री अनन्तराय देवशंकर दवे : मेरा तो सीधा सवाल यह था कि कच्छ में कितनी चांदी पकड़ी गई है, वहां कितने लोग पकड़े गये हैं। मैं यह नहीं पूछ रहा हूं कि बम्बई हाई कोर्ट से क्यों बेल ले लिया। मैंने यह कहा था कि जो लोग वहां पकड़े गये हैं उनमें एक फिशरीज बोर्ड के डायरेक्टर भी हैं **(व्यवधान)**

श्री रामेश्वर ठाकुर : गुजरात हाई कोर्ट और लोकल कोर्ट जो है उन्होंने व्यक्तियों को बेल दिया है। **(व्यवधान)**

श्री सभापति : वह हथियारों को पूछ रहे हैं, क्या हथियार भी पकड़े गये थे ?

श्री रामेश्वर ठाकुर : हमारे पास जो सूचना है **(व्यवधान)** मैंने कहा कि बम्बई या किसी भी हाई कोर्ट से चाहे एंटीसिपेटरी बेल ले सकते हैं। जहां तक इन व्यक्तियों का सवाल है लोकल कोर्ट से दो व्यक्तियों ने बेल लिया है और दूसरे जो तीन व्यक्ति हैं उन्होंने गुजरात हाई कोर्ट से बेल लिया है। **(व्यवधान)**

श्री सभापति : उन्होंने पूछा है क्या हथियार भी पकड़े गये थे ?

श्री रामेश्वर ठाकुर : हथियार पकड़ने की कोई जानकारी नहीं है। दूसरे चांदी का प्रश्न पूछा था, वह मैं पहले कह चुका हूं।

श्री अनन्तराय देवशंकर दवे : सर, वीपन्स भी साथ में पकड़े गए हैं, ड्रग्स भी हैं साथ ही। आपके पास कोई इनकी जानकारी है ? वह बताएंगे आप ?

श्री सभापति : वह बता दिया कि नहीं है। . . . **(व्यवधान)** . . .

SHRI JOHN. F. FERNANDES: Mr. Chairman, Sir, like Gujarat, the coast of Goa is also infested with the menace of smuggling. Since 1980 there were four cases of seizure of silver of the total value of Rs. 9 crores. Last year the hon. Finance Minister stated that they would contemplate disposing of this silver. May I know from the hon. Minister how much impounded silver they are having with the Customs and whether they think that the silver stock is worth selling to augment the balance of payments?

SHRI RAMESHWAR THAKUR: Sir, I have got the figures of seizures that took place from time to time in different States all over India. We have got sufficient quantity of silver accumulated over the years.

AN HON. MEMBER: What is the quantum?

SHRI RAMESHWAR THAKUR: In 1948 we had a quantity of...I am just giving you, just a minute.

SHRI JOHN F. FERNANDES: Kilos.

MR. CHAIRMAN: Don't try to confuse him.

SHRI RAMESHWAR THAKUR: In 1948 we had 1,00,085 tonnes.

MR. CHAIRMAN: Tonnes, bhai. You are talking kilos.

SHRI RAMESHWAR THAKUR: The stock came down. In 1990 it was 1,21,000 tonnes. We have certain policies under which the import was banned, and it was not being imported even when the export was open during the period 1974—79 on a very selective basis. At the moment, the transaction is primarily for Indian industries to meet their requirements. But in view of the stock, the Government is considering the best method through which we can supply more silver for our own local requirements. Because the international price is very low, we are not exporting. The international price is virtually half. The average is Rs. 3,500. *(Interruptions)*

SHRI JOHN. F. FERNANDES: Does the Minister contemplate to pledge or sell the silver impounded by the Customs?

SHRI RAMESHWAR THAKUR: We are depleting silver stock. Out of the stock we are meeting the requirements of the country's industry and

other requirements. We are not exporting. The international price is Rs. 3,586, whereas the internal price is about Rs. 7,000. If we will export silver, there will be a great loss. Still we are examining all the pros and cons of this, how we can supply and sell more within the country and, if there are good terms, whether we can export also.

श्री राघवजी : सभापति महोदय पिछले कुछ दिनों में कच्छ तस्करों का, अड्डा बनता जा रहा है और चांदी ही नहीं, चांदी के अलावा बहुत सी चीजों की तस्करी हो रही है, स्थिति यहां तक है कि कच्छ में कई पाकिस्तानी आकर वहां बस गये हैं, वोटर लिस्ट में नाम लिखा लिया है और वहां के नागरिक भी बन गये हैं, तो ऐसी स्थिति बन गयी है। माननीय मंत्री जी ने उत्तर में जो बताया कि केवल 9 टन चांदी पकड़ी गयी है, तस्करी की मात्रा बहुत अधिक रही होगी लेकिन बहुत कम पकड़ी गयी है। क्या माननीय मंत्री महोदय यह बताने का कष्ट करेंगे कि कस्टम डिपार्टमेंट के पास जो लान्च वगैरह हैं, बहुत पुरानी किस्म की हैं और तस्कर जिन साधनों—लान्च वगैरह का उपयोग करते हैं वह बहुत आधुनिक हैं। तो क्या यह पुरानी लान्च बदलकर आधुनिक लान्च और अन्य साधनों का उपयोग करने की दिशा में शासन विचार करेगा ?

श्री रामेश्वर ठाकुर : पहली बात तो यह है कि केवल कच्छ में ही नहीं है, जो तस्करी का काम है, बहुत बड़े पैमाने पर . . . **(व्यवधान)**

श्री सभापति : उनका क्वेश्चन तो सीधा है कि जो आपके कोस्ट गार्ड्स हैं, उनको रोकने के लिये उसमें आप मौडर्न और फास्ट मूविंग व्हीकल, लान्च वगैरह का इस्तेमाल करेंगे ?

श्री रामेश्वर ठाकुर : हमारे पास पहले से ही जो इंतजामात हैं उसमें काफी सतर्कता बरती गयी है। कच्छ के क्षेत्र में जिसका उल्लेख किया गया है वहां पर दो गाड़ियां हैं, 7 जीप हैं, दो मोटर कार हैं और वेशल्स एयरक्राफ्ट हैं. . . . **(व्यवधान)**

श्री सभापति : वह कोस्ट लान्च की बात कर रहे हैं।

श्री रामेश्वर ठाकुर : जो हथियार, आदि की बात है, 18 रिवाल्वर हैं. . . **(व्यवधान)** यह जो हैं आधुनिक हैं। ऐसी बात नहीं है कि बिल्कुल पुराने हैं। लेकिन सदस्य का जो सुझाव है वह विचारने लायक है।

श्री नरेश पुगलिया : सभापति महोदय, इस महत्वपूर्ण प्रश्न पर मैं आपके माध्यम से सदन का ध्यान आकर्षित करना चाहूंगा। माननीय सदस्य ने जो कहा है कच्छ बोर्डर सिर्फ चांदी और आर्म्स तक ही सीमित नहीं है, इस कच्छ बोर्डर में मेरे चन्द्रपुर डिस्ट्रिक्ट से बड़े पैमाने पर डब्लू. सी. एफ. वैस्टर्न कोल फील्ड के कोल के सैकड़ों ट्रक हर हफ्ते जाते हैं। उसी प्रकार से शुगर और बीड़ी, यह तीनों चीजें बड़े पैमाने पर बाई ट्रक वहां से जाती हैं।

श्री सभापति : अभी तो चांदी की बात हो रही है, आप कहाँ पहुंच गये ?

श्री नरेश पुगलिया : जहां आप मैटल की और आर्म्स की बात करते हैं, लेकिन उसके साथ-साथ यह सब तीनों आईटम वहां जाते हैं। मैं आपके माध्यम से सरकार से जानना चाहूंगा कि जो हमारी बोर्डर सिक्योरिटी फोर्सेज है, उसको मजबूत करके इन तीनों चीजों की जो स्मगलिंग बड़े पैमाने पर हो रही है, उसको रोकने के लिये शासन और राज्य शासन क्या प्रयत्न कर रहे हैं ?

श्री रामेश्वर ठाकुर : जहां तक इनका प्रश्न है. . . . **(व्यवधान)**

श्री सभापति : वह पूछ रहे हैं कि बीड़ी यहां से स्मगल हो रही है, उसको कैसे रोकेंगे आप ?

श्री रामेश्वर ठाकुर : बीड़ी एक प्रांत से दूसरे प्रांत जाती है। उसमें स्मगलिंग की बात कहां तक है, यह तो संबंधित मंत्रालय के लोग ही बता सकते हैं।

Appointment of Honorary Teachers in Kendriya Vidyalayas

*204. SHRI MOHD. KHALEELUR RAHMAN: Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) whether there is any provision for appointment of honorary teachers in the Kendriya Vidyalayas;

(b) if so, what are the details thereof; and

(c) if the answer to part (a) above be in the negative, how some teachers have been working in honorary capacity in the Kendriya Vidyalaya at Moscow?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRIES OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS (SHRI RANGARAJAN KUMARAMANGALAM): (a) to (c) There are no rules regarding appointment of teachers on honorary basis in Kendriya Vidyalayas. However, the Vidyalaya Management Committee, Kendriya Vidyalaya, Moscow, appointed an *ad-hoc* teachers locally on honorary basis in History only as there was only one student in that subject. No purpose would have been served by deputing a regular teacher from India only for one student.

SHRI MOHD. KHALEELUR RAHMAN: Sir, my first supplementary is whether there is any provision for appointment of honorary teachers in the Kendriya Vidyalayas located within India and outside India. As you know, Sir, *ad hoc* appointment of PG teachers is made only when regular appointee is not available. But under what circumstances the honorary post-graduate teachers were appointed in Kendriya Vidyalaya in Moscow? As I understand a lady teacher was appointed just because she was related to an official of the Indian Embassy. May I know from the Minister whether such an appointment was in order, and to which official in the Embassy she was related?

SHRI RANGARAJAN KUMARAMANGALAM: Mr. Chairman, Sir, in this particular case the original selection of the PG Teacher (History) for the Kendriya Vidyalaya, Moscow, was finalised in August, 1987. After consultnig the Indian Embassy in Moscow, the selected candidate whose name is Shri H. L. Sonar who is also incidentally the General Secretary of the All India Kendriya Vidyalaya Teachers Association was sent the posting orders on 7-10-1988. He kept asking for repeated extension of timt to proceed to Moscow till March, 1989. When he finally agreed to proceed to Moscow, the Chairman, Vidyalaya Committee Management, was accordingly contacted to arrange accommodation in Moscow. Maenwhile, there was one student who had offered to study History and, therefore, local arrangement was made on an honorary basis in order that at least some teaching facilities are made available to him. The person who was asked to do the honorary work is one Smt. Sipali Kulshetra, wife of the Second Secretary in the Embassy. And she was not paid any remuneration; nor did she make any demand for payment. This was a stand-by because the teacher selected did not offer himself to go immediately. He pulled the matter for almost a year.

SHRI MOHD. KHALEELUR RAHMAN: My second supplementary is this. would like to know from the hon. Minister whether honorary teachers have been appointed in any Kendriya Vidyalaya on the analogy of Moscow where vacancies exist or Moscow has been made a very exceptional Vidyalaya which does not recognise any rules of the Sangathan.